भारत के रंग रंगीले त्यीहार Flying Colours of Indian Festivals



भक्क खंडारित - जारनी उत्पर की याज के दौरान सूर्य के मकर देखा में घरनाम करने पर महत्व र जारित मार्चा जाती है और इस दिन नीता जातका मंद्री र उच्चा है की जोड़ उक्तम भक्ते जाती मार्चाकी तथा आकर्तक मार्चा की पानी के भर जाता है कैने जैसे जातकरण अवशेवपूर्ण हो जाता है, हर एक परंग उच्चाने मार्चा अपने घरिवादी भी चारण को आहाने की जी-जान के मोर्चित करता है जाता आकरान में पानी की भीड़ ने मार्चाम की आहाने की जी-जान को मोर्चित करता है जाता आकरान में पानी की भीड़ ने मार्चाम बोल में की के जातिक स्वामी की में अंदर जी होने पान पान सरका है.

Makar Sankrant – It marks the occasion when the sun transits Capriccon (Makar), during its journey to the north, when the blue skies are filled with thousands of kites in vivid colous and exotic patterns, soaring proudly. As excitement fills the air, every filer attempts to cut down his rival's kine and urges his own kites for his place and his player in the crowded sky.



एमआन ईंद - ईंद का दिन चाद तो ऐस्सने के बाद जनज़न या रोजे स्मानन हो जाते हैं और ईंद भनाई जाती हैं यह दोशार पात काल की नमाज से सुख होता है. जान के बिक्रिय दोसाब होती है व इसे दिन लोग अबचे की पानते हैं, बच्चे इसे दिन का बेसकी से हाताब सतते हैं, क्योंकि उन्हें इसे दिन उपसार एवं पैसे जिनते हैं. यह स्मान्य एके दिक्का प्राचन का तो का संदेश दता है.

Ramzaan Id. - It marks the end of Ramzaan or the fasting period and is celebrated on sighting a linew moon. The restival begins with offering sarly morning prayers and ends with a glorious feast. Muslims wear their best clothes and chaldren greatly anticipate this day when they receive gifte and money. It spreads the message of love and peace throughout the world.



होती - होली का ब्यौहार उत्तर भारत की क्रायक्ता देने वाली ठड की तमार्थित तथा क्रातोक्तत के आरम पर गुनाया जाता है. हर श्रेष्ठ के लोग एक दूसरे पर रण डालते हुए अपने गिल-शिक्तों फूल जाते हैं और प्रकृत्तित हो जाते हैं.

Holi — It marks the end of the chilly North Indian winter and heralds the beginning of spring. People from all walks of life take this opportunity to lose their inhibitions and enjoy themselves with gay abandon while smearing each other.



ब्रोमाम - हत् - यस केलन सावच 10 दिन ताल कार्य वाले हत स्पीहन के साथ रुखली की कराई के पीरण की घोषणा करता है. हरित प्राकृतिक दृष्य पूजी की सजावट, भूक, वावजों, आदिककाती एवं पाविद के जुलूबों से अवदात सुरूर कार्य है. हह स्पीहार में आवर्षण वह मुख्य केन्द्र स्थानीय लोगों द्वारा मनोहर जल पर सोका की

Dnam — The vendant state on termal metalus (no citizens con incurrent season with this ten day long celebration. The lunk preen landscape is dotted with floral decorations, dances easts, interworks and temple processions. A major crowdruller are the famous boat races held by the locals on the centre backwaters.



बुद्ध पूर्णिमा – हर साल मर्थे में बिहार के बोधनाया में दूरवराज की त्यानी से तीर्थमानी परसाज देते हैं, यहां विद्वान लीग प्राचीन प्रधा पर उपदेश देते हैं, इस समय बीद्ध घर्म जो लाखां सोना में अध्यन्या है, शाताब्दियों से अमिनवीरीत चाताबरण एकनन प्रसात होता है, द्वादावरण ने पून्ती पत्र लोशन की मधुर मुगंध एवं महत्वाविध्यों कर राजस्वमधी मधीनवार लेला हैं

Buddha Poornina – Every May, Bodhgaya i ay shar beyo es a quiet estenal far piliginis from far and widn. Hen thy Enlightened One proached the ancient wildow May. Palls if millions follow today. The atmosphery work need to contrains is intensely seeme, filled discuss of formation of flowers and increase and the mystic quants of in month.



पुष्कर – यह ब्योक्ट देश जिलों के लिए रोजन्यन में शांत शहर पुष्कर में बड़ी इम्खाम शहर मेंलेक्ट के महायाजाता है इस मेले में ब्रह्मा मंदिर के क्यान के लिए अबाला मंड पड़ते हैं को पहले देख के सबले बड़े ऊट मेले का आयोजन मी होता

Pushtur – this festival bursts upon the sleepy town of Push bir, Raja sthan for ten days. During this time, Pushkar pushes with pigirins who come to visit the unique tempt of the Creator of the Universe and plays host to the world's present and the push of the push



नवरात्रि – दाक्षिया और शानदार तथा चम्बक्यर घानरों के पुगार के काथ नेवरात्र या नी रात्रि के उत्सव का स्वागत विच्या जाता है. सबेप में दार्डिया तक वालि नावन खुशियां मनाना और पुगायों के अनुसार अच्छाई की बुनाई वर विजय मनाना है

Navratri - With a tourl of dandaya sticks and a while of gorgeous ghagras, navratri or the festival of nine nights welcomed. Dancing and rejecting is epitamized by th Dandiya Ras, celebrating the mythical triumph of goo



जनमध्यमी न वर व्योद्धार मनवान कर का जाना-दिन के कार में मनवा जाता है। महत्वा है रही वर्ष कर का महिरा करने मनवान कुछ की बालकील दिख्यात हो के जार का बाद दिख्यात महत्वात हर गानी - महत्वात में 40 पुद्धा हो उन्हाई पर लाका हुए करेंद्र में आहे में आहे प्रात्त किया जाता है. जब महाने दूरती है, तो

Jaronskhami – It marks the birthday of the much adorect lord, who as per legend was known for his pranks like piffering curds and botter stored in earthern pots. Thence evolved the custom of forming thaman pyramids in evenstreet corner to attempt to break earthern pots filled with goodles suspended upto lorty feet high. When the pot it broken, jubilant criesfull the arrandistroorg and dance.



गणेबोलाब - महत्वकु में पायान पणेव की जन्म-विधिव में हमंदिनस से सामि जाती है. 10वें दिन आवार्क मूर्तियों के साम्य विधान कुछ्त समुद्र पट की और बदला है, जहां एक्ट्रें विधानित किया जाता है. अगले वर्ष पिर वापस आने के अव्यवस्था में क्यां माणे - बाजे के साम्य विधान जनसमूत अपने पसंदीयों देवता को विधान जनसमूत

Ganpati festival – The birthday of this elephant-headed defiis celebrated with great pomp and splendour in Maharashtra On the tenth day buge processions bearing inagnificent iddl head for the beaches where they are immersed. Drums shelmais and large crowds accompany them to bid adieu to their favourite deriv with entrealies to return the next year.



दुर्म पूजा - दुर्गा पूजा के दौरान कोजकारा शहर विशेष का से स्वाक रहा पूजा महाराजें की भूगवारा में परिवर्तित हो जाता है राध्या प्रायेक शहरवारची स्वीकृत का जानद पुजाने के लिए आने घरने से बाहर आ जाता है इस खीहार के जारहर पर जरवाम मनाव्या जाता है एवं वर्षण कर्तु से सीरान प्रकृति हाथ विश् वर करवान के जाते कृतवारा व्यवता की जाती है.

Durga Póoja — During the pooja, the city of Kolkata i transformed into a series of gorgeously decorated pooj pandals and everyone is out in the streets. It is a time-o celebration and thanksgiving for the bounty of nature dumn the monstoni.



वीपावसी - वर्ष की सबसे अमेरी अमाजस की रात, दीवों के चुल्सव - दीवावसी के वीरान मानावर रूप से बमाजती है, रात में असामा आविश्वादी से देवीवामान हो जाता है, जबकि घरती अनेकित दीवों से समझ उतनी है दीवावसी गारतीय वीहारों में से सबसे अधिक मानवायुर्ण क्वीदार है.

Diwali – The darkest night of the year, Amavasya, is spectacularly it up during Deepavali, the festival of fight. The night sky is rendered brilliant with fireworks while the earth glows with the light of countless lamps. It is the most significant of Indian festivals when prosperity is welcomed.



किसमस - भागन-गायक आंगद एवं शांति का संदेश प्रसारित करते हैं तथा किसमस की पूर्व संस्थापद भागन मध्यशिक की प्रार्थना में शांगित होते हैं. प्रत्यादिक रूप से पार्च को सामान जाता है. किश्त रूप में गोया में क्रिस्सम हो एवं स्टार लोगोंने में, अध्योध-अध्योध करता कार्य होते हैं और बढ़े उत्तरस के साथ उपहार्थ के आहत-प्रस्तर प्रार्थनी

Christmas – Merry carol singers spread the message of joy and peace and the theout attend Midnight Mass on Christmas Eve. Houses are decorated in the traditional way, with Christma trees and star lantens. Delicious sweets are prepared and Christmas dy is celebrated by rejoicing, exchanging gifts and appreciating the true spart of the festive season.





Hyin



मकर संक्रांति – अपनी उत्तर की यात्रा के दौरान सूर्य के मकर रेखा से पारगमन करने पर मकर संक्रांति मनाई जाती है और इस दिन नीला आकाश गर्व से ऊंचाई की ओर इस दिन नीला आकाश गर्व से ऊंचाई की ओर उसने भरने वाली चमकीली तथा आकर्षक बनावट की पतंगों से भर जाता है. जैसे जैसे वातावरण आवेशपूर्ण हो जाता है, हर एक पतंग उड़ाने वाला अपने प्रतिद्वंद्वी की पतंग को काटने की जी-जान से कोशिश करता है तथा आकाश में पतंगों की भीड़ में से अपनी पतंग को और अधिक ऊंचाई की ओर ले जाने का प्रयत्न करता है.

Makar Sankrant – It marks the occasion when the sun transits Capricorn (Makar), during its journey to the north, when the blue skies are filled with thousands of kites in vivid colours and exotic patterns, soaring proudly. As excitement fills the air, every flier attempts to cut down his rival's kite and urges his own kite to fly higher and higher in the crowded sky.

owns of Indian



रमजान ईद – ईद के दिन बांदे की देखने के बाद रमजान या रोजें समाप्त हो जाते हैं और ईद मनाई ज़ती हैं, यह त्यौहार प्रात:काल की नमाज़ से शुरू होता है. शाम को बढ़िया दावत होती हैं व इस दिन लोग अच्छे कपड़े पहनते हैं. बच्चे इस दिन का बेस्ब्री से इंतज़ार करते हैं, क्योंकि उन्हें इस दिन उपहार एवं पैसे मिलते हैं. यह क्योहार पूरे विश्व में प्यार एवं शांति का संदेश देता है.

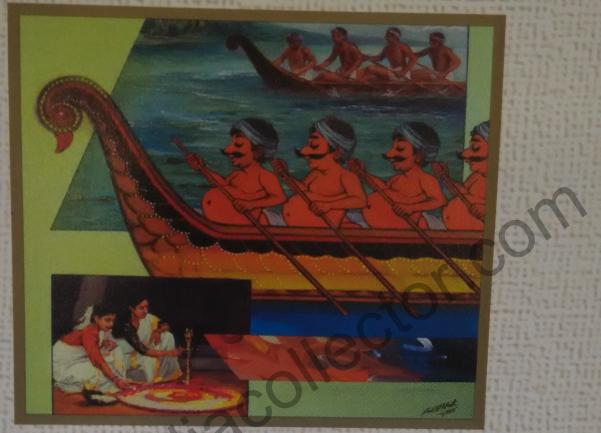
Ramzaan Id – It marks the end of Ramzaan or the fasting period and is celebrated on sighting a new moon. This festival begins with offering early morning prayers and ends with a glorious feast. Muslims wear their best clothes and children greatly anticipate this day when they receive gifts and money. It spreads the message of love and peace throughout the world.

estivals



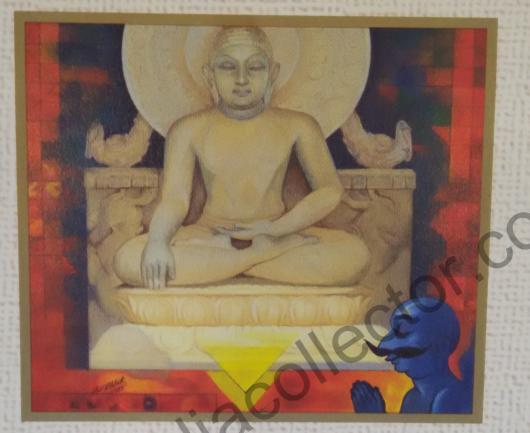
होली ने होली का त्यौहार उत्तर भारत की कंपकपा देने वाली ठंड की समाप्ति तथा बसोतोत्सव के आरंभ पर मनाया जाता है. हर क्षेत्र के लोग एक दूसरे पर रंग डालते हुए अपने गिले-शिकवे भूल जाते हैं और प्रफुल्लित हो जाते हैं.

Holi – It marks the end of the chilly North Indian winter and heralds the beginning of spring. People from all walks of life take this opportunity to lose their inhibitions and enjoy themselves with gay abandon while smearing each other with colour.



ओणम - हरा-भरा केरल राज्य 10 दिन तक चलने वाले इस त्यौहार के साथ फरालों की कटाई के मौसम की घोषणा करता है. हरित प्राकृतिक दृश्य, फूलों की सजावट, नृत्य, दावतों, आतिशबाज़ी एवं मंदिर के जुलूसों से अत्यंत सुंदर लगते हैं. इस त्यौहार में आकर्षण का मुख्य केन्द्र स्थानीय लोगों द्वारा मनोहर जल पर नौका की दौड़ होती है.

Onam – The verdant state of Kerala heralds the onset of the harvest season with this ten day long celebration. The lush green landscape is dotted with floral decorations, dances, feasts, fireworks and temple processions. A major crowd puller are the famous boat races held by the locals on the scenic backwaters.



बुद्ध पूर्णिमा – हर साल मई में बिहार के बोधगया में दूरदराज़ के स्थानों से तीर्थयात्री दस्तक देते हैं. यहां विद्वान लोग प्राचीन प्रथा पर उपदेश देते हैं. इस समय बौद्ध धर्म को लाखों लोगों ने अपनाया है. शताब्दियों से अपरिवर्तित वातावरण एकदम प्रशांत होता है. वातावरण में फूलों एवं लोबान की मधुर सुगंध एवं मठवासियों का रहस्यमयी मंत्रोच्चार होता है.

Buddha Poornima – Every May, Bodhgaya in Bihar becomes a quiet retreat for pilgrims from far and wide. Here the Enlightened One preached the ancient wisdom, the Path that millions follow today. The atmosphere unchanged for centuries is intensely serene, filled with the fragrance of flowers and incense and the mystic chants of the monks.



COL,

पुष्कर – यह त्यौहार दस दिनों के लिए राजस्थान के शांत शहर पुष्कर में बड़ी धूमधाम से एक मेले के रूप में मनाया जाता है. इस मेले में ब्रह्मा मंदिर के दर्शन के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं और यहां विश्व के सबसे बड़े ऊंट मेले का आयोजन भी होता है.

Pushkar – This festival bursts upon the sleepy town of Pushkar, Rajasthan for ten days. During this time, Pushkar bustles with pilgrims who come to visit the unique temple of the Creator of the Universe and plays host to the world's largest camel fair.

y doding on write smearing each other with



नवरात्रि - दोडिया और शानदार तथा चमकदार घागरों के घुमाव के साथ नवरात्रि या नौरात्रि के उत्सव का स्वागत किया जाता है. संक्षेप में दांडिया रास यानि नाचना, खुशियां मनाना और पुराणों के अनुसार अच्छाई की बुराई पर विजय मनाना है.

Navratri – With a twirl of dandiya sticks and a whirl of gorgeous ghagras, navratri or the festival of nine nights is welcomed. Dancing and rejoicing is epitomized by the Dandiya Ras, celebrating the mythical triumph of good over evil.



जन्माष्टमी – यह त्यौहार भगवान कृष्ण के जन्म – दिन के रूप में मनाया जाता है. मटके में रखी दही एवं मख्खन को गिरा देने की भगवान कृष्ण की बाललीला विख्यात है. इसके बाद मानव पिरामिड बनाकर हर गली – मोहल्लो में 40 फुट की ऊंचाई पर लटकी हुई मटकी को फोड़ने का प्रयास किया जाता है. जब मटकी दूटती हैं, तो वातावरण नृत्य एवं संगीत से गूंज उठता हैं.

Janmashtami – It marks the birthday of the much adored Lord, who as per legend was known for his pranks like pilfering curds and butter stored in earthen pots. Thence evolved the custom of forming human pyramids in every street corner to attempt to break earthen pots filled with goodies suspended upto forty feet high. When the pot is broken, jubilant cries fill the air amidst song and dance.



गणेशोत्सव – महाराष्ट्र में भगवान मणेश की जन्म-तिथि बड़े हर्षील्हास से मनाई जाती है. 10वें दिन आकर्षक पूर्तियों के साथ विशाल जुलूस समुद्र तट की ओर बढ़ता है, जहां उन्हें विसर्जित किया जाता है. अगले वर्ष फिर वापस आने के अनुनय-विनय एवं गाजे-बाजे के साथ विशाल जनसमूह अपने पसंदीदा देवता को विदा करता है.

Gappati festival – The birthday of this elephant-headed deity is celebrated with great pomp and splendour in Maharashtra. On the tenth day huge processions bearing magnificent idols head for the beaches where they are immersed. Drums, shehnais and large crowds accompany them to bid adieu to their favourite deity with entreaties to return the next year.



दुर्गा पूजा – दुर्गा पूजा के तीयन कोलकाता शहर विशेष रूप से सजाए गए पूजा पंडालों की शृंखला में षरिवर्तित हो जाता है तथा प्रत्येक शहरवासी त्यौहार का आनंद उठाने के लिए अपने घरों से बाहर आ जाता है. इस त्यौहार के अवसर पर उत्स्वासीयों जाता है एवं वर्षा ऋतु के वौरान प्रकृति द्वारा दिए गए वरदान के प्रति क्रिजाता व्यक्त की जाती है.

Durga Pooja – During the pooja, the city of Kolkata is transformed into a series of gorgeously decorated pooja pandals and everyone is out in the streets. It is a time of celebration and thanksgiving for the bounty of nature during the monsoon.



दीपावली - वर्ष की सबसे अंधेरी असावस की रात, दीपों के उत्सव - दीपावली के दौरान शानदार रूप से असेकर्ती है. रात में आकाश आतिशबाजी से दैदीप्यमान हो जाता है, जबिक अरेती अनिगनत दीपों से चमक उठती है. दीपावली भारतीय त्यौहारों में से सबसे अधिक महत्वपूर्ण त्यौहार है.

Diwali – The darkest night of the year, Amavasya, is spectacularly lit up during Deepavali, the festival of light. The night sky is rendered brilliant with fireworks while the earth glows with the light of countless lamps. It is the most significant of Indian festivals when prosperity is welcomed with gratitude into every house during the Hindu New Year.

ring magnificent idols e immersed. Drums, them to bid adieu to sturn the next year.

pandals and everyone is celebration and thanksgiv the monsoon.



CO

क्रिसमस - अजन-गापक आनंद एवं शांति का संदेश प्रसारित करते हैं तथा क्रिसमस की पूर्व संध्यापर भक्त मध्यरात्रि की प्रार्थना में शामिल होते हैं. पारंपारिक रूप से घरों की साजाया जाता है, विशेष रूप से गोवा में क्रिसमस ट्री एवं स्टार लाक्तन से. अच्छे-अच्छे पकवान बनाए जाते हैं और बड़े उल्हास के साथ उपहारों के आदान-प्रदान एवं त्यौहार की सही भावना के साथ यह त्यौहार मनाया जाता है.

Christmas - Merry carol singers spread the message of joy and peace and the devout attend Midnight Mass on Christmas Eve. Houses are decorated in the traditional way, with Christmas trees and star lanterns. Delicious sweets are prepared and Christmas day is celebrated by rejoicing, exchanging gifts and appreciating the true spirit of the festive season.

वान्सवरण जन्य एवं संगीत से गंज उतता है

Janmashtami – It marks the birthday of the much adored Lord, who as per legend was known for his pranks like pilfering curds and butter stored in earthen pots. Thence evolved the custom of forming human pyramids in every street costs to attempt to break earthen pots filled with goodies suspended upto forty feet high. When the pot is broken jubilant cries till the air amidst song and dance.

Dear no

Ganpati festival – The birthday of this elephant-headed deity is celebrated with great pomp and splendour in Maharashtra. On the tenth day buge processions bearing magnificent idols head for the beaches where they are immersed. Drims, shehnais and large crowds accompany them to bid added to their favouritie deity with entreaties to return the next year.

कतज्ञता व्यक्तकी आती है

Durga Pooja – During the poola, the city of Kolkata is transformed into a series of gorgoously decorated pooja pandals and corryone is out in the streets. It is a time of celebration and thanksgroup for the bounty of nature during the morphoon.



दीपावली - वर्ष की सबसे अधेरी अमावल की रात, दीपों के उत्सव - दीशावली के दौरान शानदार रूप से वमकती है, रात में आकाश आतिशबाजी से देदीच्यमान हो जाता है, जबकि घरती अनिषनल दीपों से खमक उठती हैं। दीपावली मास्तीय त्योंहारों में से सबसे अधिक महत्वपूर्ण त्योंहार है.

Diwali – The darkest night of the year, Amavasya, is spectacularly lit up during Deepavali, the festival of light. The night sky is rendered brilliant with fireworks while the earth glows with the light of countless lamps. It is the most significant of Indian festivals when prosperity is welcomed with gratitude into every house during the Hindu New Year.



क्रिसमस - 'भजन-गायक आनंद एवं शांति का संदेश प्रसारित करते हैं तथा क्रिसमस की पूर्व संख्या पर भक्त मध्यरात्रि की प्रार्थना में शामिल होते हैं. पारंपारिक रूप से घरों को सजाया जाता है, विशेष रूप से गोवा में क्रिसमस ट्री एवं स्टार लालटेन से अच्छे-अच्छे पकयान बनाएं जाते हैं और बड़े उल्हास के साथ उपहारों के आवान-प्रदान एवं रागीहार की सही भावना के साथ यह रागीहार मनाया जाता है.

Christmas - Merry carol singers spread the message of joy and peace and the devout attend Midnight Mass on Christmas Eve. Houses are decorated in the traditional way, with Christmas trees and star lanterns. Delicious sweets are prepared and Christmas day is celebrated by rejoicing, exchanging gifts and appreciating the true spirit of the





Design: Air India Art Studio / Paintings: Anil Naik, Professor, Sir J. J. School of Art Printing: Shruti Art Pvt. Ltd. / Processing: Unique Photo Offset Services kest night of the year, Amavasya, is during Deepavali, the festival of light. dered brilliant with fireworks while the light of countless lamps. It is the most festivals when prosperity is welcomed very house during the Hindu New Year.

Christmas - Merry carol singers spre and peace and the devout attender Christmas Eve. Houses are decorated with Christmas trees and star lantern prepared and Christmas day is ce exchanging gifts and appreciating festive season

Design: Air India Art Studio / Paintings: Anil Naik, Professor, Sir J. J. School of Art Printing: Shruti Art Pvt. Ltd. / Processing: Unique Photo Offset Services